Message from Hon'ble Chief Election Commissioner of India on the 7th National Voters Day

My Dear Fellow Citizens,

Election Commission of India is privileged and proud to celebrate the Seventh National Voters' Day all over the Country. This day is dedicated to the Voters of India. On this day, the Commission reiterate abiding faith in democracy and also renew its resolve to uphold the rich democratic traditions and the sanctity of free, fair and peaceful elections in the Country.

'Empowering Young and Future Voters' is the central theme for this year's National Voters' Day. On this day, the Commission welcome the young voters to the world of electoral participation by handing over to them the Elector Photo Identity Cards (EPIC). As a major initiative, we propose to felicitate our future voters in the age group of 15-17 years.The Commissionhas organized simultaneous celebrations and felicitations at the National, State, District, Sub-divisional and the polling station levels.

Taking an important step for stronger electoral awareness among future voters of the Country, the Commission, for the first time, has launched an 'Interactive School Engagement' Programme for school children with a strategic focus on future voters of age group 15-17 years. Under this programme, Chief Electoral Officers, District Election Officers and the Electoral Registration Officers, visit schools and interact with students of Class 9thto 12th. Badges and pledges are being administered to future voters. The Commission believe that going forward ,aware and informed future and first time voters and youth will bethe flag bearers of participative democracy in India.

The Commission has undertaken a series of initiatives such as development of rich contents of awareness material, use of IT and

social media under its flagship programme, the Systematic Voters Education and Electoral Participation , the SVEEP in short,to enhance constructive engagement and participation of the citizens in the electoral process.

On this occasion, I reiterate to the citizens of India, that the Commission will continue to fulfil its motto "No Voterto be Left Behind" and that "Every vote counts".

The Commission also commit to the nation that as an autonomous and independent constitutional authority, it will conduct free, fair, peaceful, and transparent elections in the most neutral manner.

I once again convey my best wishes to every citizen of India on the National Voters' Day. I invite all esteemed citizens to be part of celebrations of National Voters Day on 25th January, 2017.

Jai Hind!

(Dr. Nasim Zaidi)

भारत के माननीय मुख्य निर्वाचन आयुक्त के संदेश की रिकार्डिंग,जिसे 7वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्यों/संघ राज्य-क्षेत्रों के साथ साझा किया जाएगा

*****

प्रिय देशवासियों,

भारत निर्वाचन आयोग, पूरे देश में सातवां, राष्ट्रीय मतदाता दिवस, मनाए जाने पर, बड़े गौरव का अनुभव कर रहा है। यह दिन, भारत के मतदाताओं को समर्पित है। इस दिन, आयोग लोकतंत्र के प्रति, अपने दृढ़ विश्वास को तो दोहराता ही है, साथ ही, देश की समृद्ध लोकतांत्रिक परम्पराओं तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचनोंकी, शुचिता बनाए रखने के अपने संकल्प को भी दोहराता है।

इस वर्ष के राष्ट्रीय मतदाता दिवस का, मुख्य थीम,'*युवा एवं भावी मतदाताओं का सशक्तिकरण* ' है। इस दिन, आयोग युवा मतदाताओं को निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (एपिक) सौंप कर उनका निर्वाचकीय सहभागिता की दुनिया में स्वागत करता है। एक प्रमुख पहल के रूप में, हम 15 से 17 वर्ष की आयु-वर्ग के अपने भावी मतदाताओं का अभिनंदन करना चाहते हैं। आयोग ने राष्ट्रीय, राज्य, जिला, सब-डिवीजनल एवं मतदान केन्द्र स्तरों पर समकालिक समारोहों और अभिनंदन कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

देश के भावी मतदाताओं में, और अधिक निर्वाचकीय जागरूकता लाने का, एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आयोग ने पहली बार 15 से 17 वर्ष की आयु-वर्ग के भावी मतदाताओं पर विशेष रूप से ध्यान दिए जाने के साथ-साथ,स्कूली बच्चों के लिए 'विद्यालय संवाद कार्यक्रम' का शुभारंभ किया है। इस कार्यक्रम के तहत मुख्य निर्वाचन अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी और निर्वाचक

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विद्यालयों का दौरा करते हैं और नौवीं कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक के छात्रों के साथ संवाद करते हैं। भावी मतदाताओं को बैज दिए जाते हैं और उन्हें शपथ दिलवाई जाती है। आयोग का मानना है कि आने वाले समय में जागरूक एवं सजग भावी एवं पहली बार मतदाता बने व्यक्ति एवं युवा,भारत में सहभागी लोकतंत्र के ध्वजवाहक होंगे।

निर्वाचन प्रक्रिया में नागरिकों का रचनात्मक लगाव एवं सहभागिता बढ़ाने के लिए आयोग ने अपनेप्रमुख कार्यक्रम सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचकीय सहभागिता, जिसे संक्षेप में स्वीप कहते हैं, के अंतर्गत तरह-तरह की पहल की हैं,जैसे - जागरूकता सामग्री के लिए सुस्पष्ट विषय-वस्तु तैयार करना, आईटी एवं सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना।

इस अवसर पर, मैं भारत के नागरिकों को यह विश्वास दिलाता हूं कि आयोग अपने लक्ष्य,"कोई भी मतदाता न छूटे"और "प्रत्येक वोट कीमती है"को पूरा करना जारी रखेगा। आयोग राष्ट्रमें संवैधानिक संस्था के रूप में स्वतंत्र तौर पर एवं सबसे तटस्थ रहते हुएस्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण,और पारदर्शी निर्वाचनों कासंचालन करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

मैं, एक बार फिर, राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर भारत के प्रत्येक नागरिक को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मैं भारत के सभी प्रबुद्ध नागरिकों को25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोहों का हिस्सा बनने के लिए भी आमंत्रित करता हूं।

जय हिंद!

(डॉ. नसीम ज़ैदी)